ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-6* Issue-10*November- 2021
Innovation The Research Concept

बालोतरा उपखण्ड में जनसंख्या विश्लेषण (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विशेष संदर्भ में)

Population Analysis in Balotra Subdivision (With Special Reference to Scheduled Castes and Scheduled Tribes)

Paper Submission: 15/11/2021, Date of Acceptance: 23/11/2021, Date of Publication: 24/11/2021

प्रमोद दवे
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय,
अलवर राजस्थान,भारत

सुमन सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर,
भूगोल विभाग,
बाबू शोभाराज राजकीय कला महाविद्यालय
अलवर राजस्थान,भारत

सारांश

प्रस्तुत शोध-पत्र में बालोतरा उपखण्ड की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की जनसांख्यिकीय संरचना का विश्लेषण किया गया है, जिसमें विभिन्न संदर्भ सामग्री जैसे रिपोर्ट तथा सांख्यिकीय आंकड़ों का सूनिश्चित प्रयोग किया है। द्वितीयक आंकड़ों के स्रोत के रूप में जनगणना पुस्तिका 2011 का प्रयोग करते हुए लिंगानुपात, जनघनत्व, वितरण, साक्षरता दर आदि का विश्लेषण किया गया है। तुलनात्मक रूप में राज्य, जिले तथा उपखण्डों के स्वरूप में परिवर्तन को दर्शानें हेतु सारणी आदि का प्रयोग किया है।

जनसंख्या 2011 में बालोतरा उपखण्ड की अनुसूचित जाति व जनजाति क्रमशः 60518 व्यक्ति व 36443 व्यक्ति हैं। बाडमेर जिले के संदर्भ में सर्वाधिक अनुसूचित जाति चौहटन उपखण्ड में है जबकि शिव उवखण्ड में न्यूनतम है। इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति जनसंख्या बालोतरा उपखण्ड में सर्वाधिक तथा शिव उपखण्ड में न्यूनतम है। इसी प्रकार साक्षरता दर, लिंगानुपात में भी भिन्नता दिखाई देती है। शोध-पत्र में जनगणना, 2011 को आधार मानकर अध्ययन किया गया है।

In the present paper, the demographic structure of Scheduled Castes and Scheduled Tribes of Balotra subdivision has been analyzed, in which various reference materials such as reports and statistical data have been used. The sex ratio, population density, distribution, literacy rate etc. have been analyzed using Census Handbook 2011 as a source of secondary data. In comparison, tables etc. have been used to show the change in the nature of the state, district and sub-divisions.

मुख्यशब्द: अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लिंगानुपात, साक्षरता, जनसांख्यिकीय संरचना एवं बालोतरा उपखण्ड।

Keywords: Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Sex Ratio, Literacy, Demographic Structure and Balotra Subdivision.

प्रस्तावना

किसी क्षेत्र की जनसंख्या विशेषताओं से वहाँ का जनसंख्या आकार, क्षेत्रीय वितरण, जन्म- दर, मृत्यु-दर, सामाजिक व आर्थिक स्तर आदि का समुचित ज्ञान प्राप्त होता है तथा यह ज्ञान उस क्षेत्र के लिए नीति निर्माण योजनाओं के क्रियान्वयन आदि में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है तथा क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करता है।

जनसांख्यिकीय - यह मानव जनसंख्या का सांख्यिकीय अध्ययन है जो मानव को गतिशील विभिन्न कारणों से परिवर्तनशील जनसंख्या पर लागू होता है इसमें जनसंख्या का आकार, संरचना और वितरण, जन्म, मृत्यु, प्रवास के संदर्भ में स्थानिकऔर कालिक परिवर्तनों का अध्ययन होता है।

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति - यह समुदाय अत्यन्त पिछड़ा समुदाय होता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 341 व 342 में इनकी व्याख्या की गई है, जिसमें कुछ विशेष जातियाँ, वर्ग व जनजातियों को शामिल किया गया है। यदि कोई व्यक्ति या जनसमूह किसी जनजाति या पिछड़े जनसमूह से सम्बंध है तो भारतीय नागरिकों के अनुसूचित जाति या जनजाति में अनुसूचीकरण या गैर-अनुसूचीकरण हेतु निम्न सांविधातिक आदेशों/प्रावधानों को आधार माना जाता है -

1. संविधान अध्यादेश, 1950 (अनुसूचित जनजाति)
2. संविधान अध्यादेश, 1950 (अनुसूचित जनजाति)
3. बम्बई राज्य पुनर्गठन अधिनियम - 1960
4. पंजाब राज्य पुनर्गठन अधिनियम - 1960
5. उत्तर - पूर्वी क्षेत्रीय अधिनियम, 1976
6. अनुसूचित जाति-जनजाति अध्यादेश - 1996
7. संविधान अध्यादेश, 1996

अध्ययन का उद्देश्य

इन जनसमूहों की अर्थव्यवस्था तथा जीवन-स्तर जनसांख्यिकी संरचना के संघटकों पर निर्भर करता है तथा जनजातीय समुदायों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास सरकारी नीतियों तथा कल्याणकारी योजनाओं की सक्रियता से सम्बन्धित होता है। राजस्थान राज्य में 17.83 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 13.48 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति निवास करती है। जिलेवार सूची में जयपूर जिले में सर्वाधिक तथा डूंगरपुर जिलें में न्यूनतम अनुसूचित जाति निवास करती है। बाँसवाडा जिले में सर्वाधिक तथा नागौर जिले में न्यूनतम अनुसूचित जनजाति निवास करती है।(2011)

अध्ययन क्षेत्र

भारत के उत्तर-पश्चिमी दिशा में स्थित राजस्थान राज्य मरूस्थलीय क्षेत्र के मारवाड़ में स्थित जोधपुर संभाग का एक जिले बाडमेर के अंतर्गत उत्तर-पूर्व में बालोतरा उपखण्ड की अवस्थिति है। बालोतरा उपखण्ड बाडमेर जिले के अर्द्धशुष्क क्षेत्र में स्थित है। बालोतरा उपखण्ड के निकटवर्ती उपखण्ड सिवाना, सिणधरी एवं बायतु है। बालोतरा उपखण्ड का कुल क्षेत्रफल 3457.50 वर्ग कि.मी.,कुल जनसंख्या 422784 व्यक्ति, जनसंख्या घनत्व 122 व्यक्ति/प्रति वर्ग कि.मी तथा जनंसख्या वृद्धि दर 29.13% (दशकीय) है।
जनगणना 2011 के अनुसार उपखण्ड की कुल जनसंख्या में पुरूष जनसंख्या 220029 व्यक्ति तथा स्त्री जनंसख्या 202755 व्यक्ति है। बालोतरा उपखण्ड में नगरीय जनसंख्या 17.62% तथा ग्रामीण जनसंख्या 82.38%, साक्षरता 60.69% तथा लिंगानुपात 921 स्त्रियाँ/प्रति हजार पुरूष है। बालोतरा उपखण्ड बाडमेर जिले में व्यापार, वाणिज्य, यातायात, उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

अध्ययन क्षेत्र बालोतरा उपखण्ड की मानचित्र में स्थिति

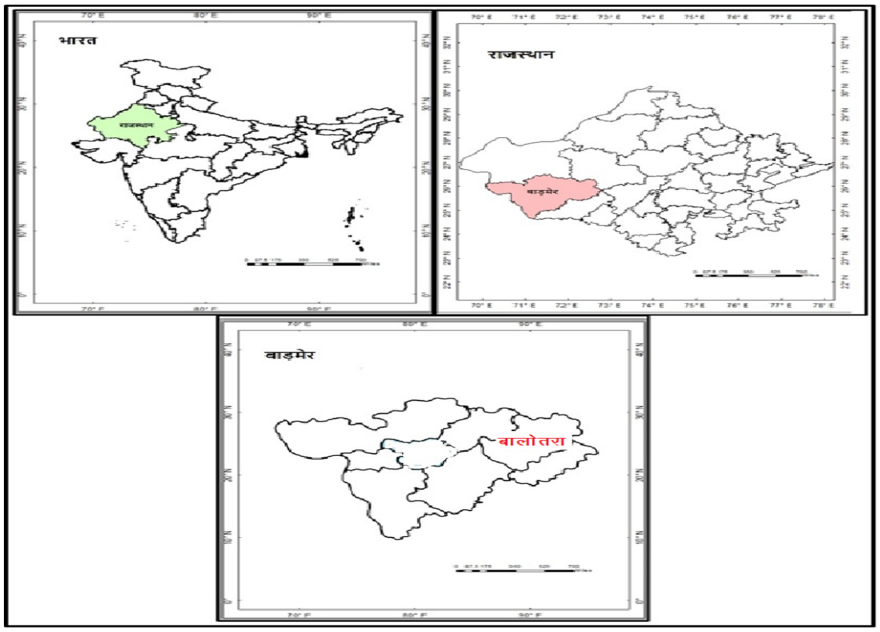

अध्ययन सामग्री व शोध प्रविधि

जनजाति जनसंख्या क्षेत्र में किये गये अध्ययन भारत में न के बराबर या बहुत कम उपलब्ध है। वर्तमान में इस ओर ध्यान देने की अत्यन्त आवश्यकता है। प्रस्तुत अध्ययन इसी क्षेत्र में किया गया है। अध्ययन को अधिक व्यापक, रोचक तथा विश्लेषणात्मक बनाने हेतु अनुभवात्मक तथा सांख्यिकीय दोनों विधियों का प्रयोग किया गया है।
अध्ययन में जनगणना, 2011 संदर्भ सामग्री सांख्यिकीय निरूपण विधियों व मानचित्रों को यथास्थान उचित प्रयोग किया गया है जो इसे सुगम व स्पष्ट बनाते हैं। जनजातीय जनसांख्यिकीय के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने हेतु जिला जनगणना पुस्तिका, 2011 से द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग करते हुए सारणी के रूप में दर्शाया गया है तथा विभिन्न सारणी व आरेखों द्वारा लिंगानुपात, घनत्व, वितरण, साक्षरता आदि जनसंख्या विशेषताओं को निरूपण किया गया है।

परिणाम व विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में अनुसूचित जाति व जनजाति अनसंख्या के विश्लेषण में निम्न पहलुओं पर गौर किया गया है जैसे जनसंख्या वितरण, लिंगानुपात, साक्षरता एवं आदि ।

जनसंख्या वितरण

राजस्थान की कुल जनसंख्या 68548423 है जिसमें से अनुसूचित जाति जनसंख्या 12,22,1590 तथा अनुसूचित जनजाति 9238534 व्यक्ति है अतः कुल जनसंख्या के क्रमशः 17.83 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 13.48 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति है। जनगणना 2011 के अनुसार जिले (बाडमेर) में अनुसूचित जाति जनसंख्या 436414 व्यक्ति तथा अनुसूचित जनजाति जनसंख्या 176257 व्यक्ति है। जिले में कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत क्रमशः 16.8 तथा 6.8 है जबकि बालोतरा उपखण्ड में कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति व जनजाति का प्रतिशत क्रमशः 14.31 तथा 8.62 है।

जनगणना, 2011 (व्यक्ति में)

वर्ग	**राजस्थान**	**बाडमेर**	**बालोतरा**
कुल जनसंख्या	68548423	2603751	422784
अनुसूचित जाति जनसंख्या	1221590	436414	60518
अनुसूचित जाति का प्रतिशत	17.83%	16.76%	14.31%
अनुसूचित जनजाति जनसंख्या	9238534	176257	36443
अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत	13.48%	6.77%	8.62%
ग्रामीण अनुसूचित जाति जनसंख्या	9536963	408568	49939
ग्रामीण अनुसूचित जाति का प्रतिशत	18.50%	16.86%	14.34%
नगरीय अनुसूचित जाति जनसंख्या	2684630	27846	10579
नगरीय अनुसूचित जाति का प्रतिशत	15.71%	15.27%	14.20%
ग्रामीण अनुसूचित जनजाति जनसंख्या	8693123	172185	33932
ग्रामीण अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत	16.9%	7.10%	9.74%
नगरीय अनुसूचित जनजाति जनसंख्या	545411	4072	2511
नगरीय अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत	3.2%	2.23%	3.27%

लिंगानुपात

जनसंख्या विश्लेषण में लिंगानुपात महत्वपूर्ण कारक होता है जो जन्म दर, मृत्यु दर, विवाह आदि को प्रभावित करता है यहाँ तक कि सामाजिक - आर्थिक विशेषताओं तथा सामुदायिक जीवन, मानव प्रवास, आदि को भी प्रभावित करता है। किसी जनसमूह की धार्मिक संरचना वहाँ के लिंगानुपात को प्रभावित करती है। लिंगानुपात को तीन प्रकार से समझ सकते है प्राथमिक लिंगानुपात अर्थातृ गर्भधारण के समय लिंगापुनात, द्वितीयक लिंगानुपात अर्थात् जन्म के समय लिंगानुपात, तृतीयक लिंगानुपात अर्थात् जनगणना का लिंगानुपात जो कि राज्य का 928 स्त्रियाँ/प्रति हजार पुरूष है तथा बाडमेर जिले में 902 स्त्रियाँ/प्रति हजार पुरूष और बालोतरा उपखण्ड में 921 स्त्रियाँ प्रति हजार पुरूष है। राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का लिंगानुपात क्रमशः 923 व 948 स्त्रियाँ प्रति हजार पुरूष है। बाडमेर जिले में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का लिंगानुपात क्रमशः 910 व 903 स्त्रियाँ/प्रति हजार पुरूष, जबकि बालोतरा उपखण्ड में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का लिंगानुपात क्रमशः 920 व 913 स्त्रियाँ/प्रति हजार पुरूष है। (2011) अनुसूचित जाति का अधिकतम लिंगानुपात उपखण्ड के अनुसार बाडमेर जिले में सर्वाधिक बालोतरा (920) तथा न्यूनतम सिवाना (399) है, जबकि अनुसूचित जनजाति का अधिकतम लिंगानुपात सिवाना (916) तथा न्यूनतम बायतु (890) उपखण्ड है। इस प्रकार बालोतरा का बाडमेर जिलें में उपखण्ड के अनुसार अनुसूचित जाति व जनजाति के लिंगानुपात में क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान है। राजस्थान की कुल अनुसूचित जाति की जनसंख्या 12221590 में से 6355564 पुरूष तथा शेष 5866029 महिलाएँ हैं। बाडमेर जिले में 436414 व्यक्ति अनुसूचित जाति के है जिसमें से 228431 पुरूष तथा 207983 महिलाएँ हैं। बालोतरा उपखण्ड की कुल अनुसूचित जाति की जनसंख्या 60518 व्यक्ति में से 31519 पुरूष तथा 28999 महिला है।

लिंगानुपात 2011

उपखण्ड	लिगानुपात	SC लिगानुपात	ST लिगानुपात
शिव	863	907	900
बायतु	907	913	890
सिणधरी	915	915	913
बालोतरा	**921**	**920**	**913**
सिवाना	913	899	916
बाडमेर	879	902	889
धौरीमन्ना	912	914	895
चौहटन	899	907	899
योग (बाडमेर जिला)	902	910	903

स्त्रोत - जिला जनगणना पुस्तिका - बाडमेर, 2011

साक्षरता

जनगणना परिभाषा के अनुसार किसी भाषा को पढ़ने, लिखने तथा समझने को साक्षरता का मानक माना गया है यदि कोई पढ़ सकता है लेकिन लिख नहीं सकता तो उसे साक्षर नहीं माना जाएगा। साक्षर होने के लिए किसी मानक शिक्षा या न्यूनतम विद्यालयी शिक्षा आवश्यकता नहीं है। राजस्थान में साक्षरता दर 6.11 प्रतिशत है। (जनगणना 2011) तथा बाडमेर जिले की साक्षरता 56.33 प्रतिशत तथा बालोतरा उपखण्ड की साक्षरता दर 60.69 प्रतिशत है। बालोतरा उपखण्ड की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की साक्षरता दर क्रमशः 57.34 व 36.57 प्रतिशत है।

उपखण्ड स्तर पर अनुसूचित जाति की साक्षरता दर सर्वाधिक बायतु उपखण्ड तथा न्यूनतम चौहटन उपखण्ड में है, जबकि अनुसूचित जनजाति की साक्षरता दर सर्वाधिक बाडमेर उपखण्ड में तथा न्यूनतम चौहटन उपखण्ड में हैं।

साक्षरता-दर 2011

अनुसूचित जाति - साक्षरता दर (प्रतिशत)

उपखण्ड	लिगानुपात	SC लिगानुपात	ST लिगानुपात
शिव	52.75	68.24	35.54
बायतु	56.65	71.19	40.77
सिणधरी	54.32	68.08	39.27
बालोतरा	**53.59**	**68.99**	**36.79**
सिवाना	50.96	66.63	33.63
बाडमेर	52.68	67.94	65.72
धौरीमन्ना	48.48	61.78	33.78
चौहटन	41.36	54.72	26.40
योग (बाडमेर जिला)	38.20	52.05	27.93

स्त्रोत-जिला जनगणना पुस्तिका- बाडमेर, 2011

अनुसूचित जनजाति - साक्षरता दर (प्रतिशत)

उपखण्ड	लिगानुपात	SC लिगानुपात	ST लिगानुपात
शिव	44.33	59.30	27.43
बायतु	43.45	58.09	26.74
सिणधरी	39.76	54.71	23.00
बालोतरा	**36.57**	**51.62**	**20.00**
सिवाना	36.08	51.24	19.30
बाडमेर	40.06	55.90	22.08
धौरीमन्ना	37.08	51.02	21.48
चौहटन	35.79	50.56	19.28
योग (बाडमेर जिला)	29.28	40.95	16.35

स्त्रोत - जिला जनगणना पुस्तिका - बाडमेर, 2011

साक्षरता दर 2011 (प्रतिशत में)

उपखण्ड	लिगानुपात	SC लिगानुपात	ST लिगानुपात
शिव	52.75	44.33	55.87
बायतु	56.65	43.45	58.72
सिणधरी	54.32	39.76	57.31
बालोतरा	**53.59**	**36.57**	**57.34**

सिवाना	50.96	36.08	57.45
बाडमेर	52.68	40.06	54.27
धौरीमन्ना	48.48	37.08	54.70
चौहटन	41.36	35.79	43.76
योग (बाडमेर जिला)	38.20	29.28	56.33%

स्त्रोत - जिला जनगणना पुस्तिका - बाडमेर, 2011

निष्कर्ष

भारत में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति आरक्षित वर्ग में आता है इसलिए जनसांख्यिकीय सरंचना का अध्ययन बहुत महत्व रखता है। अध्ययन के अनेक चरणों की समीक्षा के बाद निम्न प्रकार से सारभूत निष्कर्षों को समझ सकते है।

1. बालोतरा उपखण्ड की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग साक्षरता में उपखण्ड बालोतरा की कुल साक्षरता दर से तुलनात्मक रूप से कम है, अर्थात् पिछड़े है।
2. बालोतरा उपखण्ड की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग का लिंगानुपात कम है, परन्तु बालोतरा उपखण्ड के औसत के आस-पास है।
3. बालोतरा उपखण्ड की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग में पुरूष साक्षरता दर महिला साक्षरता दर से अधिक है अर्थात् महिलाओं की साक्षरता-दर कम होना महिलाओं की दयनीय स्थिति को प्रकट करता है। यह एक चिंता का विषय है। इस ओर कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है।
4. सरकारी व निजी क्षेत्र में इनके उत्थान के लिए विशेष कदम उठाने की आवश्यकता है जिससे इनके स्तर में शीघ्र सुधार हो सकें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *जिला जनगणना पुस्तिका - 2011 - बाडमेर।*
2. *आर. सी. चांदना, जनसंख्या भूगोल - कल्याणी पब्लिकेशन।*
3. *जनगणना-भारत, 2011*
4. *एस.डी.मौर्य, जनसंख्या भूगोल, शारदा पब्लिकेशन , प्रयागराज।*
5. *जनसंख्या भूगोल - बी.पी.पांडा मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल ।*
6. *हमारा संविधान (भारत का संविधान और संवैधानिक विधि) - सुभाष काश्यप नेशनल बुक ट्रस्ट नई दिल्ली ।*